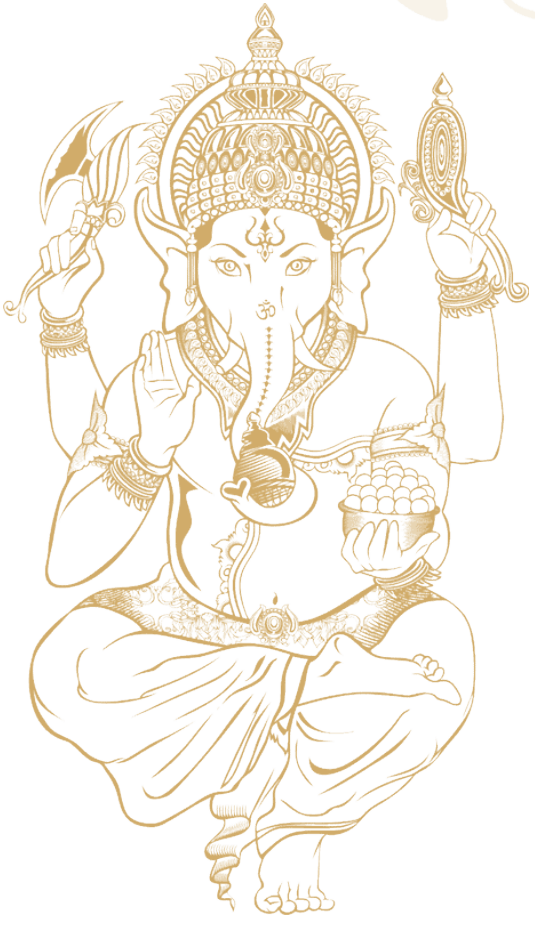

Mr. Shriyank

Ms. Aayushi ojha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119669004

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/03/1995	जन्म तिथि	18/12/1999
शुक्रवार	दिन	शनिवार
घंटे 17:17:00	जन्म समय	09:45:50 घंटे
घटी 27:49:40	जन्म समय(घटी)	07:33:30 घटी
India	देश	India
Katni	स्थान	Indore
23:47:00 उत्तर	अक्षांश	22:42:00 उत्तर
80:29:00 पूर्व	रेखांश	75:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:08:04	स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:09:07	सूर्योदय	07:00:33
18:20:20	सूर्यास्त	17:45:04
23:47:36	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:09

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 12वर्ष 10मा 24दि		25:53:37	सिंह	लग्न	मक	11:45:44	बुध 1वर्ष 6मा 24दि	
मंगल		09:34:42	मीन	सूर्य	धनु	01:55:45	शुक्र	
16/02/2024		18:03:57	धनु	चंद्र	मीन	28:46:14	12/07/2008	
16/02/2031		19:22:20	कर्क व	मंगल	मक	23:00:31	12/07/2028	
मंगल	15/07/2024	20:53:53	कुंभ	बुध	वृश्चि	16:17:05	शुक्र	12/11/2011
राहु	02/08/2025	21:29:21	वृश्चि	गुरु व	मेष	01:10:03	सूर्य	11/11/2012
गुरु	09/07/2026	01:45:16	कुंभ	शुक्र	तुला	20:32:11	चन्द्र	13/07/2014
शनि	18/08/2027	23:27:44	कुंभ	शनि व	मेष	17:00:29	मंगल	12/09/2015
बुध	14/08/2028	12:16:05	तुला व	राहु व	कर्क	10:32:35	राहु	12/09/2018
केतु	10/01/2029	12:16:05	मेष व	केतु व	मक	10:32:35	गुरु	13/05/2021
शुक्र	12/03/2030	05:57:40	मक	हर्ष	मक	20:17:07	शनि	12/07/2024
सूर्य	18/07/2030	01:25:58	मक	नेप	मक	08:51:22	बुध	13/05/2027
चन्द्र	16/02/2031	06:41:39	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	17:04:35	केतु	12/07/2028

लग्न-चलित

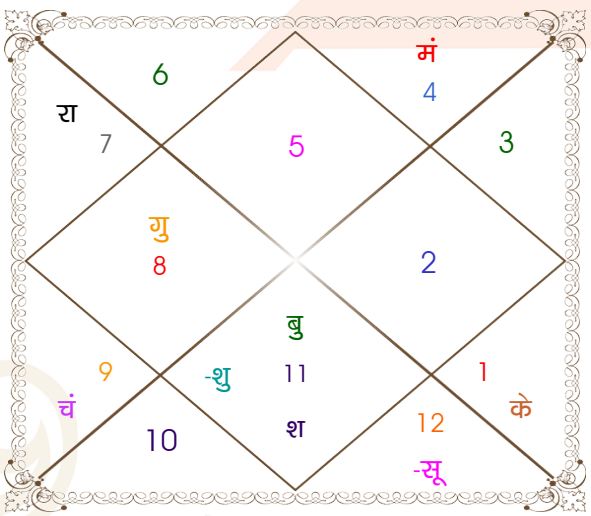

लग्न-चलित

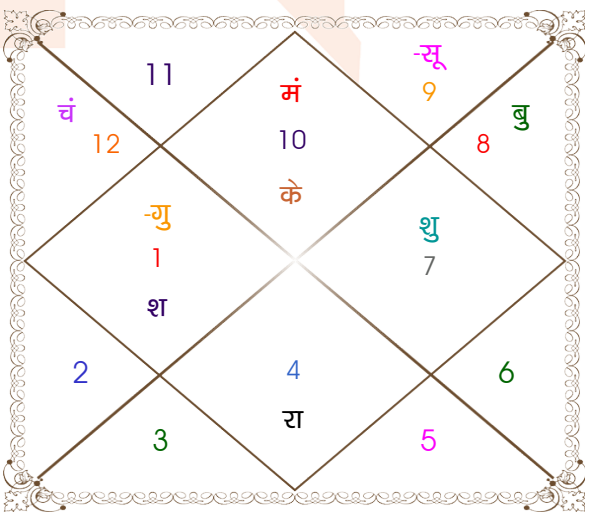

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.50		

Mr. Shriyank का वर्ग सर्प है तथा डेण ांलनीप वर्ी का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. Shriyank और डेण ांलनीप वर्ी का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. Shriyank मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. Shriyank कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. Shriyank कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण ांलनीप वर्ी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में कर्क राशि तथा लग्न में मकर राशि का मंगल हो तब मंगली दोष समापत समझना चाहिए।

क्योंकि मंगल डेण ांलनीप वर्ी कि कुण्डली में प्रथम भाव में मकर राशि में स्थित है

अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण ।लनीप वर्री कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. Shriyank कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. Shriyank तथा डेण ।लनीप वर्री में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।